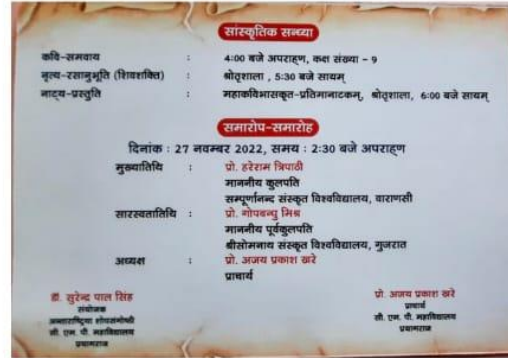


# International Seminar



Pictuers of International Seminar

Department of Sanskrit has organized two Days International Seminar on the topic **Anand Tattva In Sanskrit Vangamay** on 26-27 November, 2022. Prof. Srinivash Varkedi, Vice Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi, was chief guest, Prof. Suresh Chandra Pande, Ex. HOD, Department of Sanskrit, University of Allahabad, was the keynote speaker in the inaugural ceremony . The event was chaired by Dr. Philip Ruchinski, a great scholar from Poland and the guest of honour was Dr. D. Prabha from England. In the valedictory ceremony Prof Hare Ram Tripathi, Vice Chancellor, Sampurnanand Sanskrit University Varanasi, Prof Gopabandhu Mishra, Ex. Vice Chancellor, Shrisomnath Sanskrit University, Veraval, Gujrat, and Prof Umakant Yadav, HOD, Department of Sanskrit were honoured the occassion.

In this Seminar more than 350 participants were registered while more than 200 participants shared their valuable,innovative information by reading papers in 12 technical sessions at four different places. We had also organized a special online session in which scholars from the Netherlands, Nepal, Himachal Pradesh and Mirzapur district of Uttar Pradesh participated in this seminar and increased our knowledge with their scholarly thoughts.





Validictory Session of International Seminar













सीएमपी डिग्री कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते प्रतिभाग्य।

## जहां सब भरा है, वहां आनंद नहीं

अजय प्रकाश खरे

सीएमपी डिग्री कॉलेज में हुई संगोष्ठी में बोले प्रो. श्रीनिवास

प्रयागराज। आनंद के लिए स्थान की जरूरत होती है। जहां सब भरा है, वहां आनंद नहीं है। यह बात केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने सीएमपी डिग्री कॉलेज में संस्कृत विभाग की आयोजित संगोष्ठी में कही।

संस्कृत विभाग में आनंद नब्बे विषय पर आयोजित संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास ने यह शिक्षा नीति का आनंद लेना संभव है। उन्होंने कहा कि आनंद अनिवार्य है।

श्रीनिवास ने संस्कृत के गुरु विभागध्यक्ष सरस्वत अग्रवाल को सूरेश चंद्र पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत गुरु का ही अनुभव होता है। जबकि

दुख के प्रति कभी उदासीन नहीं होता। इसलिए उसे दुख का निरंतर अनुभव होता रहता है।

आनंद का अनुभव आत्मा से होता है। अतः आनंद का अनुभव सही कर पाने। विशिष्ट अतिथि इमैड की दिव्य प्रभा ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल ही आनंद है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. शिवानंद शर्मा ने की। विभिन्न संस्थानों के गुरुओं का सहभाग्य प्राप्त हो रहा है। विभाग अध्यक्ष प्रो. अजय प्रकाश खरे, सहायक डॉ. दीपक शर्मा, एवं अन्यगण उपस्थित थे।

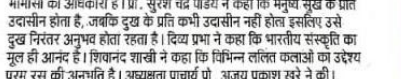
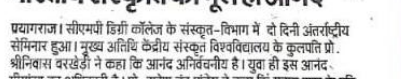
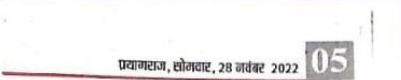


## आनन्द तत्वं अभिनवा शिक्षानीतिभिः सह संयोजयेत्-कुलपतिः प्रो.श्री. निवास वरखेड़ी

### अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 100 प्रश्नाणि प्रस्तुतानि क्रियन्तेस्म

प्रयागराज। वार्ताहरः सी.एम.पी. महाविद्यालय संस्कृत विभागस्य तत्वावधाने समायोज्यमानयाः द्विविधया संगोष्ठ्याः 26 नवम्बरे पूर्वार्धे 11 वादने उद्घाटन समेग सह संस्कृत वांगमये आनन्द तत्त्वम् इति विषये अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठ्याः प्रथम दिवसस्य विचर्यः सोपानैः समायोजनं सम्पादितम्। योग्यतया कार्यक्रमे मुख्यतिथिः प्रो. श्री निवास वरखेड़ी कुलपतिः केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयः नव देहल्याः, सरस्वती त्रिपथिः प्रो. सूरेश चंद्र पाण्डेयः, विशिष्ट अतिथिः इत्येवम्। दिव्य प्रभा महोदया, श्री शिवानन्दः पोतलुङ्गः अस्साम्। सरस्वत अग्रवालः प्राच्यः

अजय प्रकाश खरे, संयोजक विभागध्यक्षः डॉ. सुरेन्द्र पाल सिंहः आसीत्। इमे एव विषय प्रवर्तनं कुर्वन्। गोष्ठ्यां प्रो. सूरेश चंद्र पाण्डेयः बीज वस्तुन्ये अवधारणाः चर्चामकरोत्। दिव्य प्रभा मुखस्य कारणं निवारणं च प्रतिपादयन्ति। मुख्यतिथिः कुलपतिः आनन्द तत्वं अभिनवा शिक्षा नीतिभिः सह संयोजयन् विषयविषयवत् कुर्वन्। अनन्तरः प्रायः 100 प्रश्नाणि प्रस्तुतानि क्रियन्तेस्म। कार्यक्रमस्य संयुक्त संचालनं डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. सरस्वती श्रीवास्तवः कुर्वन्। अनन्तरः सार्वजनिक शिवरात्रिः इति नृत्यनाटिका अनन्तरः प्रथमा नः मंचनं जातम्। पूर्व कविसमवायः अपि अभवत्। कार्यक्रमे डॉ. पुष्पिमा मालवीयः डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुलः, डॉ. आनन्द कुमार श्रीवास्तवः, उर्मिला श्रीवास्तवः, डॉ. अरुणेश मिश्रः, डॉ. मनोज मिश्रः, डॉ. सलिल कुमार त्रिपाठी, डॉ. अनुप त्रिपाठी, डॉ. आरुणेश मिश्रः, डॉ. कनकलता दुबे, प्रभृतयः उपस्थिताः आसन्।



द्विन के बाद कई अन्य पुरा छात्र मा मिलल हुए और एम्पनएनआआडी मात्र मतिविधि केन्द्र एसएसी में कटटे हुए और अपने कालेज ह पुराने दिनों के धोजन में को नजोवित करते हुए मेस में नाश्ता

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

संस्कृत विभाग अध्यक्ष, डॉ. दीपक शर्मा, प्रयागराज, डॉ. रामजी द्विवेदी संस्कृत सचिव द्वारा विचार्ये की गई। अगले एवं छात्र सम्मेलन एक साल बाद संभव में ही आयोजित किया जाएगा।

## Inaugural Session of International Seminar





## Cultural Evening : International Seminar Sanskrit-Kavi Sammelan

On the first day [26 November 2022] of the International Seminar, **Sanskrit-Kavi Samvaya** was organized in the afternoon, in which the learned participants from India and abroad showered the graceful and elegant stream of Sanskrit poetry. **Prof. Rahasbihari Dwivedi**, Former Head, Department of Sanskrit, Jabalpur University, **Prof. Janardan pandey Mani**, Central Sanskrit University, Ganganath Jha Campus, **Prof. Vijay Karna**, Motihari University, **Dr. Rajendra Tripathi 'Rasraj'**, Allahabad Degree College, **Dr. Suryakant**, Gorakhpur University etc. famous poets were there.



Cultural Event in International Seminar